परमेश्वर पुनरुत्थान है

स्तुति - **परमेश्वर**, उसकेगुण, उसकेनाम व उसकेस्वभाव की स्तुति ।

विशेतषा: यीशु पुनरुुथिान है
परिभाषा: हि मृत्यु से जी उठा; हमें नया जीनि दे; एक जीतिआशा; एक अतिनाशी तिरासि

पवित्र शास्त्र(ओं): यूहन्ना 11:21-25; रोमियों 1:1-4; रोमियों 6:9-10; 1 पतरस 13-4; प्रकाशितवाक्य 1:17-18

कबूल - धीमे स्वर में, क्षमा करनेवाले परमेश्वर से, पापो को कबूल करना
यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापो ं को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। 1 यूहन्ना 1:9

धन्यवाद् -यहोवा ने हमारे लिए जो कुछ दिया है, उसकेलिए धन्यवाद्करो।
हर बात में धन्यवाद करो: क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। 1 थिस्सलुनीकियों 5:18

मध्यस्थता - दूसरों की ओर से प्रार्थना में परमेश्वर केपास आना

अपने बच्चों केलिए - प्रत्येक माँ एक बच्चे को चुनती है। पहले वचन प्रार्थना करे फिर कोई एक विशेष अनुरोध के लिए।
पविरि् शास्त्र्: परमेश्वर, _______ जानें तक उसका पुराना पापी स्वभा मिसीह केसाथ क्रूस पर चढाया गया था ितक पाप उसकेजीनि में अपनी शकि्त खो दे; हि _______ अब पाप का गुलाम नहीं है; जब आपने मसीह को मृकिों में से जीतितिकया ााि आपने उसे जीनि तदया। रोतमयों 6:6 और इतितसयों 2:5बी

पहली माँ की बच्चों केलिए विशेष अनुरोध:
दूसरी माँ की बच्चों केलिए विशेष अनुरोध:

तीसरी माँ की बच्चों केलिए विशेष अनुरोध:

शिक्षक / स्टाफ
पविरि् शास्त्र्: अपने बच्चे केलिए नीचे दिए गए वचन का उपयोग करें।
कि तू _________________ की आं खे खोले, कि वे अं धकार से ज्योतिकी ओर, और शैतान केअधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; कि पापों की क्षमा, और उन लोगों केसाथ जो तुझ पर विश्वास करने से पविरि किए गए हैं, मीरास पाएं । प्रेरीरों केकाम 26:18

स्कूल से संबकि्न्धित चिंता
1. अपने विद्यालय में जागृति और आत्मिक बेदारी के लिए प्रार्थना करें।
2. अपने स्कूल के कर्मचारियों और छात्रों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
3. अपने स्कूल कि अन्य चिंताओं के लिए प्रार्थना करें।

MIPI चिंता

1. दुनिया भर में हर स्कूल प्रार्थना में शामिल हो ।
2. परमेश्वर इस सेवा को एकता मे शुद्ध और निष्कलंक रखे व इसकी सुरक्षा करे।
3. मसीह के लिए अधिक बच्चों, स्कूलों व राष्ट्रों को प्रभावित करने के लिए, अनेक दान देनेवाले सेवकाई के साथ जुड़े।

याद रखें, इस समूह में जो प्रार्थना की जाती है, इसके भीतर ही रहता है!

Moms in Prayer INTERNATIONAL™
MomsInPrayer.org